



DR. S. RADHAKRISHNAN COLLEGE OF EDUCATION

MANAGED BY : BOKARO EDUCATION TRUST

Chiksia, Chas (M) Thana, Post-Chiksia, District - Bokaro- 827013 (Jharkhand)

Contact No.: 9234303040, 9117050824

Webside : www.dsrcebokaro.org.in, E-mail: dsrce.bokaro@gmail.com

स्पर्श
2022



SPARSH 2022



ANNUAL COLLEGE MAGAZINE



Language laboratory



SCIENCE & MATH LAB



Library



PSYCHOLOGY LAB



Health and physical education room



Teaching Staff

Dr. S. Radhakrishnan College of Education

COLLEGE MAGAZINE

SPARSH - 2022



Dr. Sarvepalli Radhakrishnan

(5 September 1888 – 17 April 1975)

“हमारी शिक्षा को अपने सदस्यों में मन की निडरता, विवेक की शक्ति और उद्देश्य की अखंडता के विकास को प्रोत्साहित करना चाहिए ”

"अगर हम सभ्य होने का दावा करते हैं, तो हमें गरीबों और पीड़ितों के लिए विचार, महिलाओं के लिए शिष्टतापूर्ण सम्मान, जाति या रंग, राष्ट्र या धर्म की परवाह किए बिना, मानव भाईचारे में विश्वास, शांति और स्वतंत्रता के लिए प्यार, क्रूरता के प्रति घृणा विकसित करनी चाहिए। न्याय के दावों के प्रति निरंतर समर्पण"

Dr. Sarvepalli Radhakrishnan was an Indian politician, philosopher and statesman who served as the second president of India from 1962 to 1967. He previously served as the first vice president of India from 1952 to 1962. Radhakrishnan was awarded several high awards during his life, including a knighthood in 1931, the Bharat Ratna, the highest civilian award in India, in 1954, and honorary membership of the British Royal Order of Merit in 1963. He was also one of the founders of HELPAGE INDIA, a non profit organisation for elderly underprivileged in India. Radhakrishnan believed that "**teachers should be the best minds in the country**". Since 1962, his birthday has been celebrated in India as Teachers' Day on 5 September every year. Our college pays heartiest tribute for the contribution made by him.

Editorial Board

Faculty Members

Dr. Jai Prakash (Principal)
Dr. Gayatri Kumari (Assistant Professor)
Mr. Subhash Das (Assistant Professor)
Mrs. Manju suman (Assistant Professor)
Mrs. Kumari Bharati (Assistant Professor)
Mrs. Mumtaz Zehra (Assistant Professor)
Mrs. Sunita Kumari (Assistant Professor)
Md. Gulam Rasul Ansari (Assistant Professor)
Mrs. Arati Kumari (Assistant Professor)

Magazine Editorial Board

Compiled, Edited & Designed By

Mr. Subinay Kumar Sen

ICT In charge cum Computer Operator, DSRCE

Associate Editor

Dr. Kumari Chayna Dey

Managing Editor

Dr. Gayatri Kumari

Sparsh is an Annual college magazine, brought out by Dr. S. Radhakrishnan College of Education [B.Ed.], Chiksdia, Chas, Bokaro. The magazine is the copywrite material of DSRCE. It should not be reproduced in any means by anyone without the permission of the college. If you have any queries or feedback, address them to dsrce.bokaro@gmail.com.

FOREWORD



SANJAY KUMAR

PRESIDENT,

DR. S. RADHAKRISHNAN COLLEGE OF EDUCATION

A national and social need to fulfil is to develop further education horizon with good teachers providing them trainings and workshops and make them good citizens too is main effort of DSRCE.



BINAY KUMAR SINGH

SECRETARY,

DR. S. RADHAKRISHNAN COLLEGE OF EDUCATION

With god's grace we have been able to render a noble service with grand success. This has benefitted the area people and other needy ones with the motive, to make Bokaro , a hub of higher education with our humble and sincere work.



ANIL KUMAR GUPTA

CHAIRMAN, BOKARO EDUCATION TRUST

We strive for growth in education field and create Bokaro to be a mega educational destination. Our aim is to provide quality in higher education and ensure capable teachers are produced to cater needs of the education sector.

FOREWORD



PRAKASH KOTHARI

SECRETARY, BOKARO EDUCATION TRUST

A good teacher helps in transforming children into good citizens. Responsible citizens make a nation strong. We in DSRCE are humbly committed to inspire our students for the same.



MANOJ KUMAR CHOUDHARY

TREASURER, BOKARO EDUCATION TRUST

Bokaro Education Trust is trying to help those aspirants who need training in Bokaro itself conveniently with quality and safeguarding from harassments of going other places for higher education.



SANJAY BAID

TRUSTEE, BOKARO EDUCATION TRUST

DSRCE cater to much required demand of dedicated and qualified teachers in Jharkhand. Being a state that needs a big thrust on the field of education, DSRCE will surely contribute in this growth.



RAJ KUMAR

TRUSTEE, BOKARO EDUCATION

The aim of Bokaro Education Trust is to have sincere steps towards Higher Education available in Bokaro, so that proper education can be spread by training of teachers in better way.

“Teaching is a very noble profession that shapes the character, caliber, and future of an individual. If the people remember me as a good teacher, that will be the biggest honor for me.”

- A. P. J. Abdul Kalam.



DR. JAI PRAKASH

PRINCIPAL,

DR. S. RADHAKRISHNAN COLLEGE OF EDUCATION

A Message from Principal's Desk

Success comes to those who work hard and stays with those who don't rest on past laurels. DR. S. RADHAKRISHNAN COLLEGE OF EDUCATION started its journey in the year 2012 with the aim of providing education to girls and empowering them so that they can be financially independent, socially conscious, morally upright and emotionally balanced.

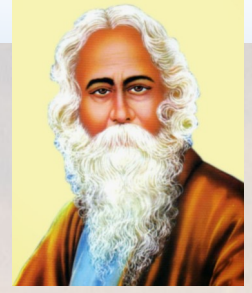
It gives me immense pleasure to congratulate you for choosing the noble profession of teaching. Teaching is not a cup of tea, it is an art. It has rightly been said that average teacher teaches, good teacher demonstrates and the best teacher inspires. The main objective of our college is to produce the competent, dedicate and most innovative teachers. We organize the different activity and program which are helpful for all round development of personality and cultivate high moral value. We are fully committed to provide quality education in this rural area. We also emphasize the professional skills like communication and interview skills. I assure to all the prospective teachers that we will provide each and every facility to the students during the whole session. I hope that you will enjoy in this college.

I give my best wishes to all the prospective teachers for his/her bright future.

A handwritten signature in green ink, appearing to read 'Jai Prakash', with a horizontal line underneath.

**Dr. Jai Prakash
Principal**

रबीन्द्रनाथ टैगोर का शैक्षिक दर्शन



टैगोर का शैक्षिक दर्शन उनके स्वयं के जीवन से प्रभावित है। यद्यपि टैगोर शिक्षा के पाश्चात्य विचारकों के विचारों से पूर्णतः जागरूक थे, उन्होंने अपने विचारों को प्राचीन भारतीय विचारों पर आधारित किया। टैगोर परंपरागत शिक्षा व्यवस्था के प्रति निष्क्रिय थे जो बच्चे को कक्षाकक्ष या घर की चारदीवारियों में सीमित करता है। उनके अनुसार, प्रकृति बालक की उत्तम पाठ्यचर्या तथा शिक्षक है। टैगोर के शैक्षिक सिद्धान्तों का विश्लेषण कर यह कहा जा सकता है कि वह प्रकृतिवाद के साथ-साथ प्रयोजनवाद के भी अनुयायी थे।

टैगोर ने सुझाया कि विद्यालय शांतिपूर्ण स्थान पर स्थित होना चाहिए, जहाँ बच्चा एकाग्रचित हो सके तथा प्रकृति के साथ सम्बन्ध स्थापित कर सके। शैक्षिक संस्थानों को सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित तथा हस्तांतरित करना चाहिए। शिक्षक को चिंतनशील अभ्यासकर्ता होना चाहिए तथा बच्चे के साथ प्रेम, स्नेह, सहानुभूति तथा स्वीकारोक्तिपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। शिक्षक को बच्चों को उपयोगी एवं रचनात्मक गतिविधियों में लगाना चाहिए तथा उनको अपने अनुभवों द्वारा सीखने हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए। शिक्षक को विद्यार्थियों के लिए सहयोगात्मक वातावरण का निर्माण करना चाहिए।

रबीन्द्रनाथ टैगोर
(7 मई 1861 – 7 अगस्त 1941)

विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक और भारतीय साहित्य के नोबेल पुरस्कार विजेता हैं। उन्हें गुरुदेव के नाम से भी जाना जाता है। वे एशिया के प्रथम नोबेल पुरस्कार सम्मानित व्यक्ति हैं। वे एकमात्र कवि हैं जिसकी दो रचनाएँ दो देशों का राष्ट्रगान बनीं - भारत का राष्ट्र-गान 'जन गण मन' और बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान 'आमार सोनार बाङ्ला' गुरुदेव की ही रचनाएँ हैं।

टैगोर के शैक्षिक दर्शन के सिद्धान्त

- ◆ सभी के लिए शिक्षा का लक्ष्य आत्मबोध होना चाहिए।
- ◆ वह शारीरिक, बौद्धिक, नैतिक तथा धार्मिक विकास के साथ मानव शक्ति के समेकित विकास का समर्थन करते थे।
- ◆ उन्होंने प्राचीन वैदिक शिक्षा के साथ आधुनिक पाश्चात्य वैज्ञानिक अभिवृत्तियों को संश्लेषित कर शिक्षा का लक्ष्य निर्मित किया।
- ◆ सृजनशील विद्यार्थियों को विकसित करने हेतु, बच्चे को आत्म अभिव्यक्ति के लिए अवसर प्रदान करना चाहिए।
- ◆ वह व्यक्ति द्वारा रह रहे वातावरण के साथ समायोजन तथा अन्य व्यक्तियों के रहने वाले वातावरण में समायोजन के समर्थक थे।
- ◆ बच्चों को पुस्तकों के माध्यम से ज्ञान की प्राप्ति के लिए दबाव नहीं देना चाहिए।
- ◆ शिक्षा का लक्ष्य बच्चे को आत्मसंतुष्ट बनाना तथा जीविकोपार्जन करना है।
- ◆ शिक्षा को बच्चों को राष्ट्रीय संस्कृति के विचारों एवं मूल्यों के अभ्यास हेतु योग्य बनाना चाहिए।

- ◆ शिक्षा को बच्चों को संपूर्ण मानव बनने के लिए प्रशिक्षित करना चाहिए।

टैगोर के अनुसार पाठ्यचर्या और अध्यापन विधि

टैगोर का दृष्टिकोण है कि पाठ्यचर्या गतिविधियों तथा वास्तविक जीवन के व्यापक अनुभवों पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने बच्चे के सृजनात्मक विकास हेतु अधिसंख्य पाठ्यसहगामी गतिविधियों को पाठ्यचर्या के आवश्यक भाग के रूप में सम्मिलित करने का सुझाव दिया। उन्होंने इतिहास, भूगोल, प्रकृति अध्ययन, कृषि तथा प्रायोगिक विषयों जैसे अध्ययन के विषयों को उद्यानिकी, क्षेत्र अध्ययन, प्रयोगशाला कार्य, कला, मूर्तिकला, व्यावसायिक एवं तकनीकी विषयों के साथ विद्यालय पाठ्यचर्या के भाग के रूप में सुझाया। सृजनात्मक तथा सांस्कृतिक गतिविधियाँ जैसे नृत्य, गायन, चित्रकला, डिजाइनिंग, सिलाई, कताई, बुनाई तथा पाककला पाठ्यचर्या का भाग होना चाहिए। टैगोर ने टहलते हुए शिक्षण, चर्चा एवं प्रश्नोत्तर विधि, गातिविधि, भ्रमण, क्षेत्र भ्रमण आदि को शिक्षण विधियों के रूप में सुझाया।

- सुभ्रान्शु सुमन

बी.एड.-2021-23

Student's Creativity

बूढ़ा गाँव

वो अपना बूढ़ा गाँव,
पीपल की छाँव,
अब मरने को है।
खत्म हुआ सब,
बीमार हुआ गाँव।
कमी विटामिन की तरह,
हो गई संस्कारों की।
मधुमेह की तरह,
बढ़ गई शहर की हवा।

वो मिट्टी के मकान टूटे,
समय की भाग दौड़ में
अपनो का अपनापन छूटा,
रूपये की होड़ में।
आए पक्के मकान,
खुल गई कई दुकान।
गाँव शहर की ओर बढ़ा,
मगर गाँव की तरह
पीठ पीछे नहीं कोई खड़ा।

वो मिट्टी की सुगंध अब कहाँ,
शहर के नालों की गंध जहाँ।
लोग भागने लगे सभ्यता की ओर,
मगर ये सभ्यता भी तो असभ्य हो गया।
गाँधी जी कहते थे,
असली भारत गाँव में बसते हैं।
मगर गाँव पर तो अब शहर हंसते हैं।

स्त्री बन के देखो

दुःशासन ने किया था चीरहरण!
फिर महाभारत के कारण दोपती कैसे?
क्यों हर समस्या का कारण बन जाती है स्त्री
क्या कारण बन जाती या बनाई जारी है
क्यों हर बार स्त्री को ही दोषी कराई जाती है?
क्यों उन्हें आजादी नहीं है?
कानूनी रूम से नहीं मानसिक रूम से।
क्या तुम्हें लगता है?
उन्हें आजादी मिली है पूर्णरूप से
इन सारे सवालियों के जवाब मिल जायेगा
एक बार बस एक बार तुम स्त्री बन के देखो
एक बार बस एक बार
तुम स्त्री बन के देखो,
उनके मन को जान कर,
उनके दर्द को समझ कर,
एक माँ एक बहन एक बेटी
एक स्त्री की तरह।
शारीरिक रूप से नहीं, मानसिक रूप से,
क्या पीड़ा है?
कृष्ण के तरह नहीं

राधा के तरह जान कर
समझ कर देखो,
क्या परेशानी है उन्हें?
क्यों वे अबला कहलाई जाती है?
सुना हूँ शक्ति बहुत है उनमें।
क्या सिर्फ सहने के लिए ही है शक्ति
एक बार सह के तो देखो,
किन्हीं और के लिए रह के देखो
कभी पत्नी कभी माँ कभी बहन

कभी बेटी बन के तो देखो

एक बार दूसरों के लिए जी के दो
एक बार बस एक बार स्त्री बन के देखो
वो क्या चाहती किसके लिए चाहती,
एक बार जान के तो देखो,
सीता अपने लिए बनवास नहीं गईं
उन्हें बनवास नहीं मिला था।
वे खुद रावण के पास नहीं गई थीं।
फिर भी अग्नि परीक्षा उन्हीं के लिए क्यों?
द्रोपति खुद अपमानित नहीं हुई थीं। - आलोक अनंत

Significant World Events in 2021



Joe Biden becomes US President, Kamala Harris appointed as VP

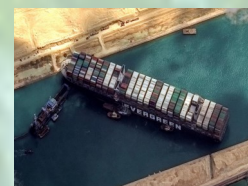
Joseph R. Biden, the Democratic Party leader, won the presidential polls in November 2020, in what was one of the most contentious elections in US history. He took oath as the 46th President of the United States on 20 January 2021. At the event, Kamala Harris, Biden's running mate during the elections, was sworn in as the first woman, first black American, and the first South Asian American vice president of the US.

COVAX vaccine sharing initiative begins

COVAX, the global vaccination campaign aimed at an equitable allocation of vaccines around the world, starting with the delivery of a batch of 600,000 doses of AstraZeneca vaccine to Ghana.

Cargo ship gets stuck in Suez Canal

A 400-metre-long cargo ship named *Ever Given* ran aground due to strong winds and got wedged sideways in the narrow Suez Canal on 23 March. The ship remained stuck for six days before it could be freed, leading to a "traffic jam" of over 400 ships at either end of the canal. The Suez Canal itself lost USD 14-15 million in revenues for each of the days the ship remained stuck.



SpaceX successfully recovers Starship prototype for the first time

As planned, its three Raptor engines shut down, and it then started its descent to Earth. Two of the engines restarted just before landing and SN15 made a successful touch down near its launchpad. It was the first time that SpaceX attained success in recovering a Starship prototype. All past prototypes had been destroyed in landing attempts.

Benjamin Netanyahu is voted out of office

The Knesset, Israel's parliament, voted 60-59 to give a coalition of parties the right to form a government in the country. This effectively ended the 12-year reign of Benjamin Netanyahu, the longest-serving prime minister of the country.

Delayed 2020 Tokyo Olympics held

The 2020 Summer Olympics in Tokyo were held after a delay of one year from its scheduled 24 July to 9 August 2020 frame because of the pandemic. It was the first time in history that the Olympic Games were rescheduled. The Games were held under a set of rules and guidelines to prevent the spread of COVID-19 during the tournament, including testing and quarantining. No spectators were allowed at the venues as a state of emergency was declared for Tokyo.



Kabul falls to Taliban

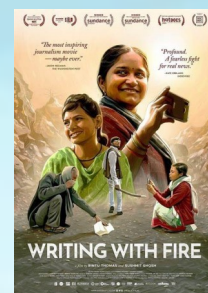
The Taliban, which was waging a long battle against the elected Afghanistan government and security forces, captured the capital city hours after President Ashraf Ghani fled the country.

El Salvador accepts Bitcoin as legal tender

The South American country became the first in the world to accept a cryptocurrency, Bitcoin, as legal tender.

Indian documentary *Writing With Fire* made the 2022 Oscar shortlist for Best Documentary Feature

Neeraj Chopra won the Olympic gold for India in Tokyo, becoming only the second Indian to have clinched an individual medal.



- BY MAGAZINE COMMITTEE

जीवन परिचय :

गजल सम्राट जगजीत सिंह

जगजीत सिंह की आवाज की जादूगरी से बच पाना किसी भी पीढ़ी के लिए जरा मुश्किल है। अपनी आवाज से एक पीढ़ी, बल्कि एक दौर को दीवाना बनाने वाले का नाम है जगजीत सिंह। उन्हें ग़ज़लों को आम आदमी तक पहुंचाने का श्रेय भी सबसे पहले जाता है।



जगजीत सिंह का जन्म

८ फरवरी १९४१ को राजस्थान के गंगानगर में हुआ था। पिता सरदार अमर सिंह धमानी भारत सरकार के कर्मचारी थे। जगजीत जी का परिवार मूलतः पंजाब (भारत) का निवासी था। उन्हें पढ़ाई में बचपन से ही अधिक दिलचस्पी नहीं थी। पिता के इजाजत के बगैर वे अक्सर फ़िल्में देखने चले जाते थे। उन्हें संगीत बचपन से ही अपने पिता से विरासत में मिली। बचपन से ही वे कई गुरुओं के सानिध्य में आए और शास्त्रीय संगीत- ख्याल, ठुमरी और ध्रुपद की बारीकियां सीखीं। पिता की इच्छा थी कि उनका बेटा भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में जाए लेकिन जगजीत (बचपन का नाम : जीत) पर गायक बनने की धुन सवार थी।

अपने सपनों को साकार करने के लिए वे १९६५ में मुंबई आ गए। यहां से उनके संघर्ष का दौर शुरू हुआ। वे विज्ञापनों के लिए जिंगल्स गाकर या शादी-समारोह वगैरह में गाकर रोजी रोटी का जुगाड़ करते रहे। १९६७ में जगजीत जी की मुलाकात चित्रा जी से

हुई। दो साल बाद दोनों १९६९ में परिणय सूत्र में बंध गए।

संघर्षों से गुजरते हुए, उनका पहला एलबम 'द अनफ़ॉरगेटेबल्स (१९७६)' आया, जो कि हिट रहा। जगजीत ने इस एलबम की कामयाबी के बाद मुंबई में पहला फ़्लैट खरीदा और फिर रुकने का नाम नहीं लिए और नये शिखरों को छूते रहे।

जगजीत सिंह ने अपने ग़ज़लों में परंपरागत गायकी में बदलाव लाकर ग़ज़ल गायकी को एक नया आयाम दिया। जगजीत सिंह ने ग़ज़लों को जब फ़िल्मी गानों की तरह गाना शुरू किया तो आम आदमी ने ग़ज़ल में दिलचस्पी दिखानी शुरू की लेकिन ग़ज़ल के जानकारों की भौहें टेढ़ी हो गईं। थे आरोप लगाया गया कि जगजीत सिंह ने ग़ज़ल की प्योरटी और मूड के साथ छेड़खानी की। लेकिन जगजीत सिंह अपनी सफ़ाई में हमेशा कहते रहे हैं कि उन्होंने प्रस्तुति में थोड़े बदलाव ज़रूर किए हैं लेकिन लफ़्ज़ों से छेड़छाड़ बहुत कम किया है। बेशर्त मौकों पर ग़ज़ल के कुछ भारी-भरकम शेरों को हटाकर इसे छह से सात मिनट तक समेट लिया और संगीत में डबल बास, गिटार, पिआनो का चलन शुरू किया। यह भी ध्यान देना चाहिए कि आधुनिक और पाश्चात्य वाद्ययंत्रों के इस्तेमाल में सारंगी, तबला जैसे परंपरागत साज पीछे नहीं छूटे।

प्रयोगों का सिलसिला यहीं नहीं रुका बल्कि तबले के साथ ऑक्टोपेड, सारंगी की जगह वायलिन और हारमोनियम की जगह कीबोर्ड ने भी ली। कहकशां और फ़ेस टू फ़ेस संग्रहों में जगजीत जी ने अनोखा प्रयोग किया। दोनों एलबम की कुछ ग़ज़लों में कोरस का इस्तेमाल हुआ। विनोद खन्ना, डिंपल कपाड़िया अभिनीत फिल्म 'लीला' के गीत 'जाग के काटी सारी रैना' में गिटार का अद्भुत प्रयोग किया। जलाल आगा निर्देशित टीवी सीरियल कहकशां के इस एलबम में मजाज़ लखनवी की 'आवारा' नज़्म 'ऐ ग़मे दिल क्या करूं ऐ वहशते दिल क्या करूं' और फ़ेस टू फ़ेस में 'दैरो-हरम में रहने वालों मयखारों में फूट न डालो' बेहतरीन प्रस्तुति थीं। जगजीत ही पहले ग़ज़ल गुलुकार थे जिन्होंने चित्रा जी के साथ लंदन में पहली बार डिजीटल रिकॉर्डिंग करते हुए 'बियॉन्ड टाइम' एलबम जारी किया।

इतना ही नहीं, जगजीत जी ने क्लासिकी शायरी के अलावा साधारण शब्दों में ढली आम-आदमी की जिंदगी को भी सुर दिए। "अब मैं राशन के कतारों में नज़र आता हूँ, अपने खेतों से बिछड़ने की सज़ा पाता हूँ", "मैं रोया परदेस में", 'मां सुनाओ मुझे वो कहानी' जैसी रचनाओं ने ग़ज़ल न सुनने वालों को भी अपनी ओर खींचा।

शायर निदा फ़ाज़ली, बशीर बद्र, गुलज़ार, जावेद अख़्तर जगजीत सिंह जी के पसंदीदा शायरों में हैं। निदा फ़ाज़ली के दोहों का एलबम 'इनसाइट' कर चुके हैं। जावेद अख़्तर के साथ 'सिलसिले' ज़बर्दस्त कामयाब रहा। लता मंगेशकर जी के साथ 'सजदा', गुलज़ार के साथ 'मरासिम' और 'कोई बात चले', कहकशां, साउंड अफ़ेयर, डिफ़रेंट स्ट्रोकस और मिर्ज़ा ग़ालिब अहम हैं। करोड़ों लोगों को दीवाना बनाने वाले जगजीत सिंह ने मीरो-ग़ालिब से लेकर फ़ैज़-फ़िराक़ तक और गुलज़ार-निदा फ़ाज़ली से लेकर राजेश रेड्डी और आलोक श्रीवास्तव तक हर दौर के शायर की ग़ज़लों को अपनी आवाज़ दी।

जगजीत सिंह ने कई फ़िल्मों को हिट गाने दिए। १९८१ में रमन कुमार निर्देशित 'प्रेमगीत' और १९८२ में महेश भट्ट निर्देशित 'अर्थ' को भला कौन भूल सकता है। 'अर्थ' में जगजीत जी ने ही संगीत दिया था। फ़िल्म का हर गाना लोगों की जुबान पर चढ़ गया था। था। इसके बाद फ़िल्मों में हिट संगीत देने कि सारी कोशिशें बुरी तरह नाकामयाब रही। इसके उलट पार्श्वगायक जगजीत जी सुनने वालों को सदा जमते रहे हैं। उनकी सहराना आवाज़ दिल की गहराइयों में ऐसे उतरती रही मानो गाने और सुनने वाले दोनों के दिल एक हो गए हों। कुछ हिट फ़िल्मी गीत ये रहे-

'प्रेमगीत' का 'होठों से छू लो तुम मेरा गीत अमर कर दो' 'खलनायक' का 'ओ मां तुझे सलाम' 'दुश्मन' का 'चिट्ठी ना कोई संदेश' 'जॉर्जर्स पार्क' का 'बड़ी नाज़ुक है ये मंज़िल' 'साथ-साथ' का 'ये तेरा घर, ये मेरा घर' और 'प्यार मुझसे जो किया तुमने' 'सरफ़रोश' का 'होशवालों को ख़बर क्या बेखुदी क्या चीज़ है' 'ट्रैफ़िक सिगनल' का 'हाथ छुटे भी तो रिश्ते नहीं छूटा करते' (फ़िल्मी वर्जन) 'तुम बिन' का 'कोई फ़रयाद तेरे दिल में दबी हो जैसे' 'वीर ज़ारा' का 'तुम पास आ रहे हो' (लता जी के साथ) 'तरक़ीब' का 'मेरी आंखों ने चुना है तुझको दुनिया देखकर' (अलका याज्ञनिक के साथ)

गज़ल के बादशाह कहे जानेवाले जगजीत सिंह को सन २००३ में भारत सरकार द्वारा कला के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। १० अक्टूबर २०११ को मुंबई के लीलावती अस्पताल में ब्रेन हैमरेज होने के कारण, 70 साल के उम्र में उनका देहांत हो गया। वे हमारे बीच भले ही न हो लेकिन उनका गज़ल और भक्ति गीत आज भी लोगो के दिल और जुबान पर राज करती हैं।

लघुकथा

व्यापारी और गधा

एक बार गधा और एक आदमी रास्ते से जा रहे थे, रास्ते में गधा किसी गहरे गड्ढे में गिर जाता है, आदमी अपने पसंदीदा गधे को गड्ढे से निकालने का हर भरसक प्रयास करता है, लेकिन काफी प्रयत्न करने के बाद वो भी असफल हो जाता है, वह बहुत दुखी होता है, लेकिन उसको ऐसा वो छोड़कर जाना भी नहीं चाहते, तब वह उसे उसी गड्ढे में ज़िंदा गाड़ने का विचार बना लेता है, जिससे वह आसानी से मर सके। इसलिए वह उस पर मिट्टी डालना आरंभ कर देता है, जैसे ही गधे पर मिट्टी गिरती है, वो उसे वजन के कारण हिलाकर हटा देता है और उसी मिट्टी पर चढ़ जाता है। वह प्रत्येक बार यही कार्य करता है, जब जब मिट्टी उसके ऊपर गिरती है। अंत में मिट्टी से गड्ढा भर जाता है और वह सुरक्षित बाहर आ जाता है।

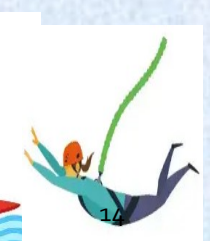
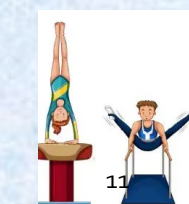
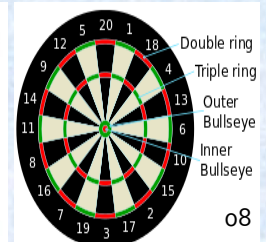
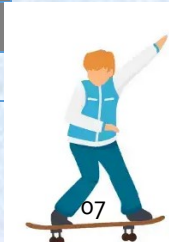
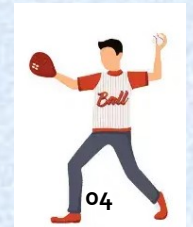
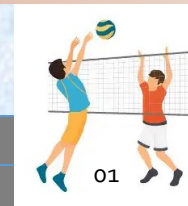
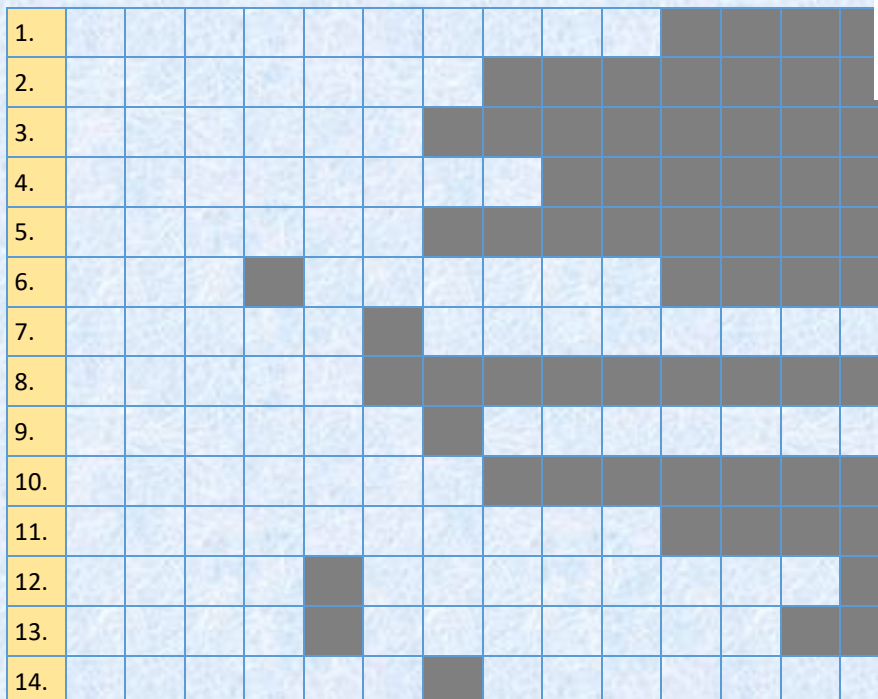
कहानी से शिक्षा

हमे समस्या से सीखना और आगे बढ़ना चाहिए ना की समस्या के साथ जीना चाहिए। यह हमारे हाथ में है की हम या तो समस्या रूपी मिट्टी के नीचे दब जाये, और समस्या आने पर उसी के बारे में सोचे और पेशान होते रहे। या फिर उसी समस्या रूपी मिट्टी को सीडी बनाकर ऊपर चढ़ जाएँ।

- सुभ्रान्शु सुमन

Check your Knowledge : Sports

Complete the names of sports taking help from the pictures as clues.



Windsurfing, sport that combines aspects of sailing and surfing on a one-person craft called a sailboard. It is also referred to as "sailboarding" and "boardsailing", and emerged in the late 1960s from the Californian aerospace and surf culture.

Skiing, recreation, sport, and mode of transportation that involves moving over snow by the use of a pair of long, flat runners called skis, attached or bound to shoes or boots.

Darts or dart-throwing is a competitive sport in which two or more players bare-handedly throw small sharp-pointed projectiles known as darts at a round target known as a dartboard. Points can be scored by hitting specific marked areas of the board, though unlike in sports such as archery, these areas are distributed all across the board and do not follow a principle of points increasing toward the board's bullseye.

Bowling is a target sport and recreational activity in which a player rolls a ball toward pins (in pin bowling) or another target (in target bowling)

Ice hockey, game between two teams, each usually having six players, who wear skates and compete on an ice rink. The object is to propel a vulcanized rubber disk, the puck, past a goal line and into a net guarded by a goaltender, or goalie.

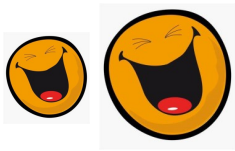
Bungee jumping, sport in which the jumper falls from a high place with a rubber ("bungee") cord attached both to his or her feet and to the jump site, and, after a period of headfirst free fall, is bounced partway back when the cord rebounds from its maximum stretch.

*SEE answers on the next page

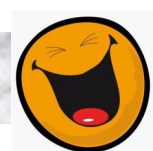


- सुभ्रान्शु सुमन

बी.एड.-2021-23



हसो- हसाओ



पति- आज खाना क्यों नहीं बनाया?
पत्नी- गिर गई थी लग गई....
पति- कहां गिर गई थी और क्या लग गई थी?
पत्नी- बिस्तर पर गिर गई थी
और आंख लग गई थी....

टीचर- ताजमहल किसने बनवाया?
स्टूडेंट- जी, कारीगर ने!
टीचर- मेरा मतलब बनवाया किसने था?
स्टूडेंट- जी, ठेकेदार ने.....!!

टीचर- बहुवचन किसे कहते हैं?
स्टूडेंट- जब बहू अपने ससुराल वालो को
खरी-खोटी सुनाती है तो उसे बहु वचन कहते हैं।
अध्यापक जी बेहोश होते होते बचे।

पत्नी- डॉक्टर साहब..
मेरे पति को रात में बड़बड़ाने की आदत है,
कोई उपाय बताएं?
डॉक्टर- आप उन्हें दिन में बोलने का मौका दिया करें..
एक आदमी ने कडक्टर से पूछा – आप कितने घंटे बस में रहते
हो ?
कडक्टर – जी २४ घंटे
आदमी – वो कैसे ?
कडक्टर – देखिए , ८ घंटे तो सिटी बस में रहता हूँ और बाकि
१६ घंटे बीवी के बस में

गुरूजी – बस इरादे बुलंद होने चाहिए , पत्थर से भी पानी
निकाला जा सकता है।
लड़का – मैं तो लोहे से भी पानी निकाल सकता हूँ.....!!
गुरूजी – कैसे?
लड़का – हैंड पंप से.....!!

बंता- अरे तू इतना मोटा कैसे हो गया
संता- हमारे घर में फ्रिज नहीं है ना
बंता- तो?
संता- कुछ बचा नहीं सकते, सब खाना पड़ता है.....!!

चिंटू, बिट्टू से)- यार, कोई ऐसा व्यापार बता न जिसमें ज्यादा
से ज्यादा मुनाफा हो?
बिट्टू- ऐसा कर सर्दियों में सस्ती बर्फ लेकर गर्मियों में बेच
दिया कर.....!!

एक बुढ़िया अम्मा को एक भिकारी मंदिर के बाहर मिला
भिकारी – भगवान के नाम पर कुछ दे दो माँ जी ,
चार दिन से कुछ नहीं खाया...!
बुढ़िया ५०० का नोट निकालते हुए बोली – ४०० खुले हैं...?
भिकारी – हाँ है माँ जी बुढ़िया.....

बूझो तो जाने

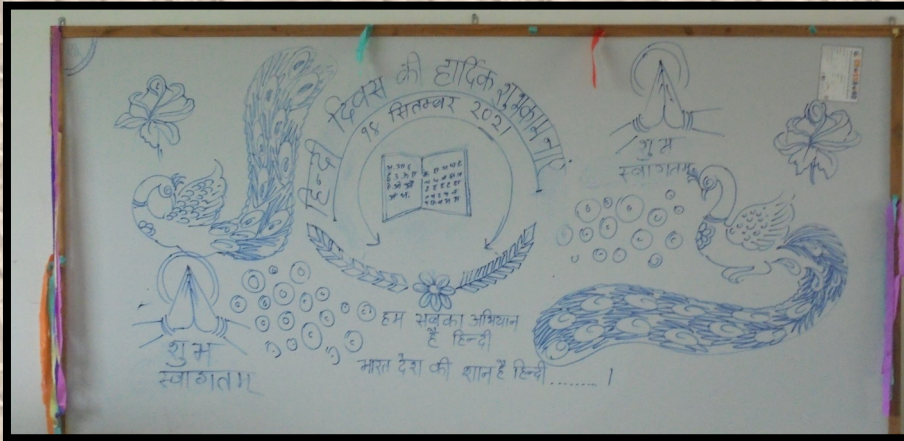
- रात में रोशनी करता हूँ, दिन में सोया करता हूँ, सैर दुनिया की करता हूँ, धरती पर पैर नहीं रखता हूँ बताओ कौन?
- तीन अक्षर का उसका नाम, जो आए खाने के काम, अंत से काटू तो हल बन जाए, मध्य से काटू तो हवा बन जाए बताओ क्या?
- खरीदने पर काला जलाने पर लाल फेकने पर सफेद रंग बदलने का खेल है इसका निराला बूझो इसका नाम?
- तीन अक्षर का उसका नाम उल्टा सीधा रहे समान बताओ क्या?

- कटोरे पे कटोरा बेटा बाप से भी गोरा
- ऐसा क्या है जो जितना बढ़ेगा हम उतना कम देख पाएंगे
- छोटे से हैं मटकूदास, कपड़े पहने एक सौ पचास
- मेरा भाई बड़ा शैतान, बैठे नाक पर, पकड़े कान ?

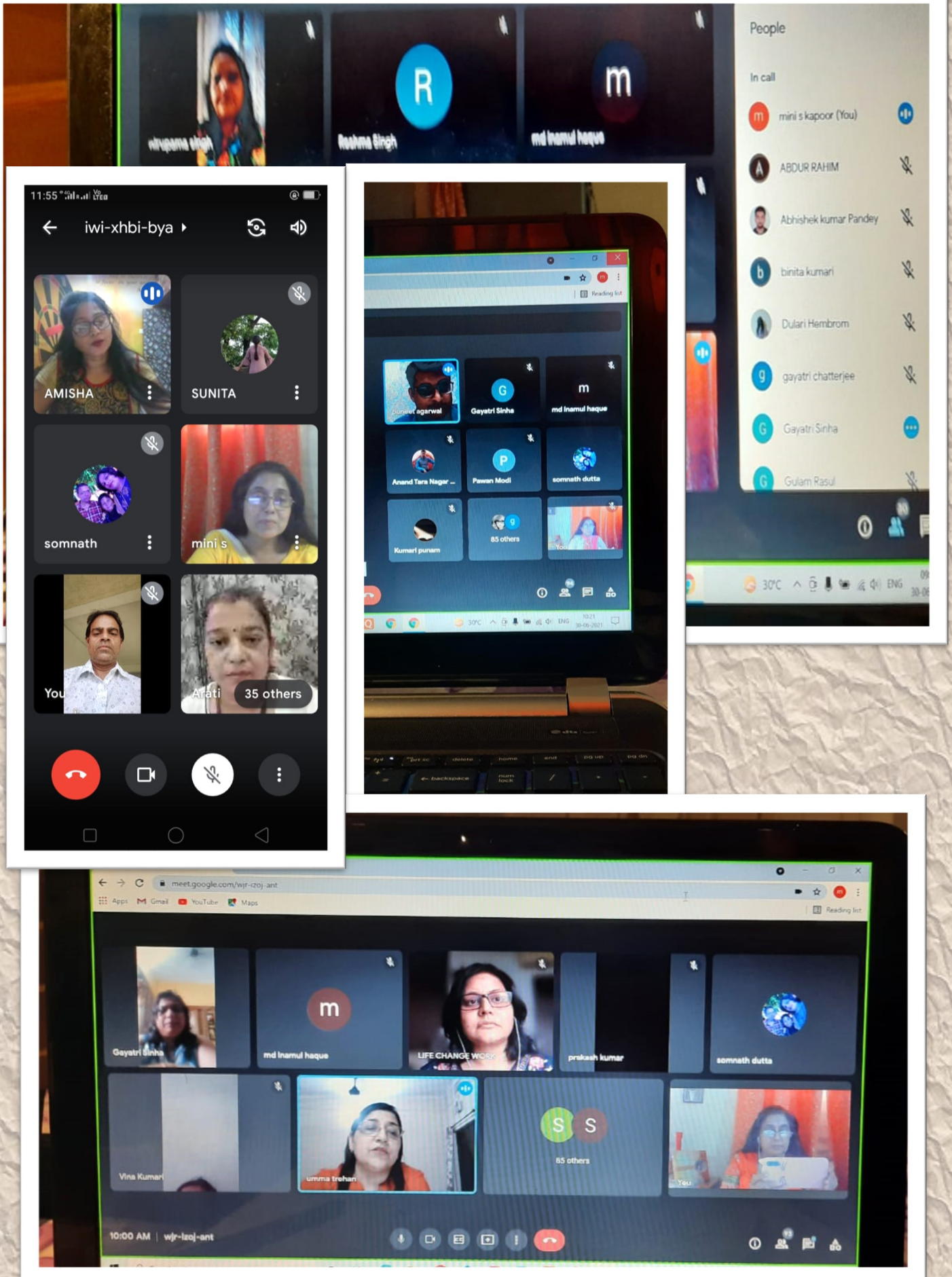
उत्तर- १.चांद २.हलवा ३.कोयला ४.जहाज ५.नारियल ६.अंधेरा ७.प्याज ८. चश्मा

*ANSWERS (of previous page): 1. Volleyball, 2. surfing, 3. Tennis, 4. baseball, 5. skiing, 6. ice hockey, 7. skate board-ing, 8. darts, 9. roller skating, 10. bowling, 11. Gymnastics, 12. rock climbing, 13. wind surfing, 14. Bungee jumping

हिन्दी दिवस : भाषण प्रतियोगिता



Online Talk show on gender equality conducted by JCI BOKARO JAZBAA



Teacher's day celebration 2021



Tree Plantation in the College Campus



Community Lunch



Induction Programme for B. Ed. Session 2021-23



Educational Tour to District Science Centre, Purulia



राष्ट्रीय विज्ञान दिवस भाषण प्रतियोगिता



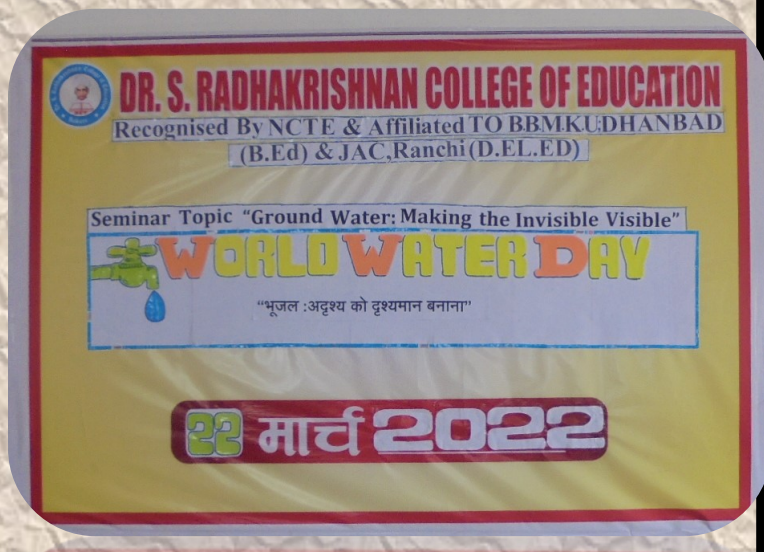
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
के अवसर पर भाषण
प्रतियोगिता का
आयोजन किया गया।
जिसका विषय था “सतत
भविष्य के लिए विज्ञान
और प्रौद्योगिकी में
एकिकृत दृष्टिकोण”



महिला दिवस 2022

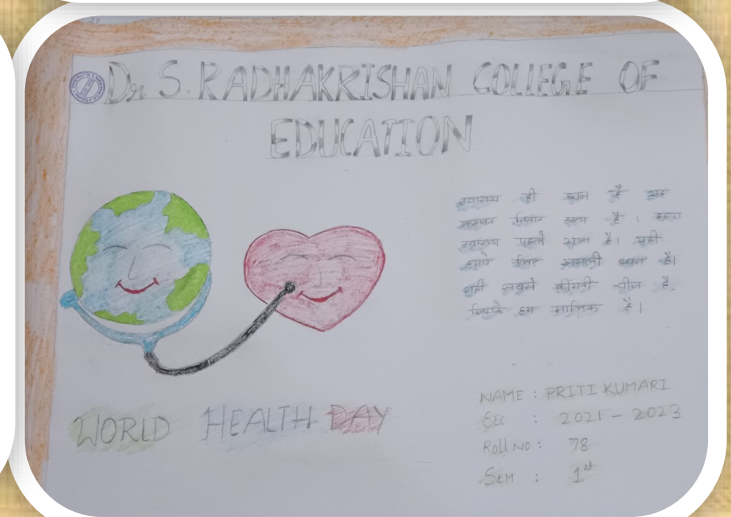


SEMINAR: WORLD WATER DAY



On occasion of world water day, the seminar was organized in the college and many students of B.Ed. Session 2021-23, Principal Dr. Jay Prakash and teachers of the college share their views on the topic: 'GROUND WATER: MAKING THE INVISIBLE VISIBLE'.

World Health Day: Poster making Competition



Award Ceremony



Essay Competition: World Earth Day

'Invest in our planet'



From the memory lane....

Independence Day



Students involved in End-Semester Internal Examination



Saraswati Puja



Holi Milan in College campus by students and teachers



Practice of yoga asanas on 'International Yoga Day'



Top 10 students of Session: 2019-21

Ayushi Kumari



Sadhan Kumar Mahatha



Priyanka Kumari



S.No.	Name of the student	Percentage	Rank
1	Ayushi Kumari	83.08	1st
2	Sadhan Kumar Mahatha	82.85	2nd
3	Priyanka Kumari	82.62	3rd
4	Asha Kumari	82.38	4th
5	Sanjeev Kumar	82.38	4th
6	Jaydeo Sarkar	82.15	5th
7	Vivek Kumar Mandal	82.15	5th
8	Chumki Kumari	81.38	6th
9	Madhusudan Mandal	81.38	6th
10	Annapurna Jha	81.23	7th
11	Vikash Kumar Mahato	81.08	8th
12	Jyoti Kumari	80.62	9th
13	Pradeep Kumar	80.62	9th
14	Mukesh Kumar Mahato	80.38	10th





Morning Assembly



Teaching staff



Beti Bachao beti padao Abhiyan



Teaching-learning



Tour to Purulia science centre



National Science Day



DR. S. RADHAKRISHNAN COLLEGE OF EDUCATION

MANAGED BY : BOKARO EDUCATION TRUST

Chiksia, Chas (M) Thana, Post-Chiksia, District - Bokaro- 827013 (Jharkhand)

Contact No.: 9234303040, 9117050824

Webside : www.dsrcebokaro.org.in, E-mail: dsrce.bokaro@gmail.com

